विदेश सेवा समाचार

यू.ए.ई.-अबू धाबी। ब्रह्माकुमारीज़ के इनर स्पेस मेडिटेशन सेंटर तथा इंडियन एम्बेसी के संयुक्त तत्वावधान में एम्बेसी में आयोजित कार्यक्रम में 'इमोशनल इंडिपेन्डेंस-फ्री योरसेल्फ फ्रॉम सौरो वर्री एंड फीयर' विषय पर सम्बोधित करने के पश्चात् चित्र में विश्व विख्यात जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा एवं मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. ज्योति, कम्युनिटी के मुख्य सदस्य तथा अन्य। कार्यक्रम में शरीक हुए हाई कमिश्नर ऑफ इंडिया टू यू.ए.ई नवदीप सिंह सुरी तथा दो सौ चालीस प्रतिभागी।

मनीला-फिलिपिन्स। यू.एन. इंटरनेशनल डे ऑफ पीस के अवसर पर यूनी हार्मनी पार्टनर्स के सदस्यों एवं सेंटर फॉर पीस एज्युकेशन द्वारा आयोजित 'रिस्पेक्ट फॉर ह्यूमन राइट्स एंड ह्यूमन लाइव्स: इंटरफेथ पर्सपेक्टिव' कार्यक्रम के पश्चात् चित्र में डॉ. लोरेटा कास्ट्रो, मरियम कॉलेज के पैक्स क्रिस्टी, फादर कार्लोस रेयस, अती मैसारा दंडमुन,लतीफ,बी.टी.सी. तथा ब्रह्माकुमारीज़ के सदस्य।

यू.एस.ए.। पीस विलेज,न्यू यॉर्क सेंटर पर त्रिदिवसीय 'गुडनेस एंड हैप्पीनेस' रिट्रीट के दौरान 'सेवेन बिलियन एक्ट्स ऑफ गुडनेस' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. राम प्रकाश तथा प्रतिभागी।

लंदन। क्लास के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए माउण्ट आबू से ब्र.कु. प्रकाश। साथ हैं ब्र.कु. सुधीर, ब्र.कु. श्रीनिवास तथा अन्य।

ऑस्ट्रेलिया। आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. डॉ. निर्मला, ब्र.कु. डॉ. सविता तथा वहाँ के ब्र.कु. भाई बहनें।

फिजी-सुवा। सेवाकेन्द्र पर आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् चित्र में राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शांता, श्रीमती तिलोतमा, श्रीमती नंदा, हरिवंश, बच्चू भाई, मुख्य अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा के एक्ज़ीक्युटिव चीफ तथा अन्य।

प्रसन्नता

कहते हैं भगवान ने प्रत्येक रोग का इलाज कोई ना कोई जड़ी बूटी में दे रखा है। ये जड़ी-बूटियां बहुत दुर्लभ होती हैं और हिमालय की बहुत ऊंची चोटियों पर होती हैं। जहां पर पहुंचना बहुत ही मुश्किल है और अगर पहुंच भी जायें तो उन्हें पहचानना बहुत ही मुश्किल है। ऐसी दुर्लभ जड़ी बूटी के लिए भी राजयोग का प्रयोग करना चाहिए। कल्पना में आप अपने को देखो कि आप हिमालय की चोटी पर पहुंच गये हैं और जड़ी-बूटी के पास पहुंच गये हैं, जिसमें आपके रोग को ठीक करने के औषधीय गुण हैं। बस आप उस बूटी को देखते रहो और कहते रहो कि आप कल्याणकारी हैं, आपकी शक्ति से मैं ठीक हो जाऊंगा। बूटी और अपने बीच परमात्मा शिव को देखते रहो।

मन की यह विशेषता है कि वह ईथर के माध्यम से शरीर के लिए ज़रूरी तत्व खींच लेता है। मन में यह गुण है कि उसके सोचते ही वह उस जड़ी बूटी को ढूंढ़ लेता है। बस हमें विधि अनुसार सोचते रहना है जब तक हम ठीक नहीं होते हैं। इस तरह से दिन में एक बार ज़रूर मानसिक उपचार करना है। जो रोग आपको हैं, ऐसे ही रोगों से पीड़ित गरीब लोगों के उपचार के लिए मुफ्त के हॉस्पिटल खोलने से आप ठीक हो जायेंगे। अगर हॉस्पिटल नहीं खोल सकते तो उस रोग से पीड़ित गरीब लोगों के इलाज के लिए दान दिया करो। तरल पदार्थ पर संकल्पों का असर बहुत तीव्रता से होता है। इसलिए जो पानी, दूध, लस्सी आदि आप लेते हैं उसे भी आप तरंगें देते रहो। जो फल डॉक्टर ने आपको खाने के लिए बता रखे हैं, उन्हें तरंगें देते रहो। उनकी शक्ति बढ़ जायेगी और उनके सेवन से आप जल्दी ठीक हो जायेंगे। हमारे दिमाग में एक ऐसा केन्द्र है जहाँ हम निरोगी हैं। अगर हमारा दिमाग वहाँ चला जाये तो हम रोग मुक्त हो सकते हैं। इस केन्द्र पर दिमाग ले जाने के लिए तप करना पड़ता है।

परंतु हम यह कहते रहें कि दिमाग वहां चल, जहां कोई रोग नहीं तो मन उस केन्द्र में चला जाता है और वहाँ से एनर्जी खींचेगा और हम निरोगी हो जायेंगे। जब हमें गहरी चोट लग जाये तो हम बेहोश हो जाते हैं। ये बेहोशी और कुछ नहीं सिर्फ दिमाग उस केन्द्र में चला जाता है, जहाँ दुःख नहीं होता। यह केन्द्र बहुत गहरा होता है। यहाँ पहुंचने के बाद शरीर के साथ कुछ भी होता रहे हमें पता नहीं चलता। जब दवाइयों से हमारा शरीर दर्द सहने लायक हो जाता है तब मनुष्य होश में आ जाता है।

कुछ लोग कोमा में चले जाते हैं। यह इतना गहरा केन्द्र है जहाँ जाने के बाद दिमाग बड़ी मुश्किल से आता है। यह वही केन्द्र है जहाँ समाधि में जाने के बाद लोग महीनों शरीर से गायब रहते हैं। उन्हें धरती में भी दबा दो तब भी ज़िंदा रहते हैं। मन में यह संकल्प रिपीट करते रहो, मुझे उस समाधि की स्टेज पर ले चल जहाँ उस दुनिया की सुध-बुध ना रहे तो आप उस केन्द्र तक पहुंचने लगेंगे। आपके दुःख खत्म होते जायेंगे।

पेड़ और मन से उपचार

सब संकल्पों हमारे पर ही आधारित है, जैसे कहते हैं ना अगर मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ। जिस तरह से हम अपने शरीर को ठीक रखने के लिए खान-पान का खास ध्यान रखते हैं कि हमें क्या खाना है और क्या नहीं खाना है, क्या ऐसा खायें जिससे शरीर स्वस्थ रहे और शक्तिशाली बने, ठीक उसी तरह से ही संकल्प हमारे मन का भोजन है और इसमें भी ये ध्यान रखना अति आवश्यक है कि हम ऐसे कौन से संकल्प करें जिससे हमारा मन स्वस्थ रहे और शक्तिशाली बने।

ब्रह्ममुहूर्त

अगर आप परमात्मा से प्रेम करते हो या जब परमात्मा खुद आपसे संपर्क करना चाहते हैं। सुबह 3 से 5 के मध्य खुलती है नींद, तो यह दिव्य शक्ति का कोई संकेत है जानें! करोड़ों लोग ईश्वर से प्यार करते हैं पर बहुत खुशनसीब होते हैं वो जिनसे ईश्वर खुद प्यार करते हैं। सबसे पहले हम यह जानें कि जिस समय नींद खुल रही है वह अमृतवेला है। अमृतवेला, जो कि परमात्मा की दिव्य शक्तियां बहुत ही तेज़ी से प्रवाह कर रही होती है। इस आसमान में, सृष्टि में पॉज़ीटिव वायब्रेशन बहुत तेज़ी से उस समय प्रवाहित होती रहती है।

उस समय आप भगवान का ध्यान करते हैं तो उनकी कृपा आपको बहुत ही आसानी से मिल जाती है। 3 बजे आँखें खुलने का यह मतलब हुआ कि सृष्टि चाहती है, दिव्यशक्ति चाहती है कि आप उठें, आप परमात्मा का स्मरण करें, क्योंकि बहुत सारी शक्तियां आपका इंतज़ार कर रही हैं जो कि आपको मिलनी हैं। यह शक्तियां, जो पॉज़ीटिव वायब्रेशन से भरी हुई है, आपको तंदरूस्त कर देंगी, धन धान्य से परिपूर्ण कर देंगी। यदि आप सुबह उठ परमपिता परमात्मा का स्मरण करते हैं, तो बहुत सारी शक्तियों का वास आपके शरीर में होने लगता है।

यह सारे संकेत दिव्य शक्ति दे रही है। ये दिव्य शक्ति परमात्मा है। और वो चाहते हैं कि आप सुबह उठें। इसे और भी सरलता से समझें।

परमात्मा अपने प्रेमी भक्तों को, प्रेमी जनों को सुबह के वक्त उठाते हैं। जैसे एक शरारती बच्चा होता है, तो माँ उसको दुलार कर सुला देती है और सोचती है कि वह अधिक समय तक सोए। अगर वह उठेगा तो वह शरारत करेगा और उसे कुछ काम नहीं करने देगा। परंतु जो अच्छा बच्चा होता है, माँ उसे

उठाती है... जा बेटा यह काम कर या कुछ भी उससे बातें करती है।

ऐसे ही परमात्मा अपने प्रेमी भक्तों को, प्रेमी जनों को सुबह के वक्त उठाते हैं। आप देखेंगे कि कुछ लोगों को पूरी रात नींद नहीं आती है और सुबह 4 बजे नींद आ जाती है। सुबह क्यों आई नींद? इसलिए आई क्योंकि यह समय सिर्फ परमात्मा के प्रेमियों का समय है, उस प्रभु के प्रेमी जनों का है जिनसे परमात्मा प्रेम करते हैं। बहुत से लोग हैं, जो परमात्मा से प्रेम करते हैं, पर बहुत कम ऐसे हैं जिनसे परमात्मा प्रेम करते हैं और कहते, मैं जिससे प्रेम करता हूँ उसे मैं अपने हर पल अपने समीप रखता हूँ।

जब परमात्मा प्रेम करने लगते हैं, तो वह अपने प्रेमियों, अपने बच्चों को उठाते और कहते कि मुझसे बातें करो, मेरी याद में बैठो। अगर किसी दिन आपकी नींद ना खुले, तो परमात्मा आपको ज़रूर उठाएंगे। अगर आप भूल गए उठना, तो परमात्मा उठाएंगे कि चले आओ मेरे पास और मेरे चिंतन में बैठो। तो बहुत सारे लोग सोचते हैं कि हमने कभी इतना ईश्वर का ध्यान नहीं किया, तो हमारी नींद क्यों खुलती है? आपकी नींद इसलिए खुलती है, क्योंकि आपका ईश्वर से कोई न कोई संबंध जुड़ा हुआ है। परमात्मा चाहते हैं कि आप योग साधना करें। इसका अर्थ यह है कि आपको योग साधना करनी चाहिए और परमात्मा से संपर्क करना चाहिए। वह आपसे बहुत कुछ कहना चाहते हैं और दो पल निकाल कर उन्हें सुनना चाहिए। वो आपको कुछ बताना चाहते हैं तो आप बहुत खुशनसीब हैं।

अगर आपकी नींद 3 से 5 के मध्य खुल जाती है तो आप वो लोग हैं जिनसे परमात्मा प्रेम करते हैं। तो आप सुबह अमृतवेला में ज़रूर उठिये, आपको कुछ नहीं बहुत कुछ अनुभूति होगी जो हर किसी को नहीं होती।

दिल्ली-नरेला मंडी। 'तनाव प्रबंधन' कार्यक्रम के पश्चात् कस्तुरीराम कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. ओ.पी. यादव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रुक्मणि। साथ हैं ब्र.कु. पीयूष तथा अन्य।

दिल्ली-कुंवर सिंह नगर। स्वच्छता अभियान के तहत रैली का शिवध्वज लहराकर शुभारंभ करते हुए नगर निगम पार्षद सुरेश पहलवान। साथ हैं ब्र.कु. सुषमा, ब्र.कु. सरिता तथा अन्य।